Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

A–130

B.A. (Part–I) Examination, 2023

GENERAL HINDI

(Compulsory)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) ''संपूर्ण संसार वीरों की चित्रशाला है।'' इस कथन का पल्लवन करते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्द युग्मों के अर्थ बताइए :

(क) अवलम्ब-अविलम्ब (ख) अन्तराय-अन्तराल

(ग) अभिज्ञ-अनभिज्ञ (घ) अविहित-अभिहित

(ङ) अशित-असित (च) अभय-उभय

(iii) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** लोकोक्तियों का वाक्य प्रयोग कीजिए :

(क) आँख पर पर्दा पड़ना (ख) उलटे उस्तरे से मूंड़ना

(ग) गूलर का फूल होना (घ) घड़ी में घर जले, नौ घड़ी भद्रा

(iv) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए :

(क) अतीश्योक्ति (ख) कवियित्री

(ग) दृष्टा (घ) शसक्तीकरण

(ङ) जागरुकता (च) अनुग्रहीत

(v) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए :

(क) तुम्हारे उत्तर में अनेकों अशुद्धियाँ है। (ख) जगत में मानव सबसे सुंदरतम हैं।

(ग) वह बुद्धिमान स्त्री है। (घ) मैंने गुरु का दर्शन किया।

(vi) नीचे लिखे राजस्थानी अवतरण का हिन्दी अनुवाद कीजिए :

''रण अर मरण रा अनुरागी आं विलक्षण वीरां सारू तो आपरै कर्त्तव्यपथ रो वरण ई जीवण रो ध्येय हुया करतो। इणी परम्परा सूं अठै रै लोक में वीरां री पूजा हुवै, गांव-गांव में जुझारां, भोमियां अर लोकदेवी-देवतावां री देवळियां इण बात री साख भरै के जकां लोगां आपरै निजू स्वारथ रो त्याग अर परमारथ सारू काम कियो, बांनैं इण लोक में आज ई आदर्श मानै। मारणियै री बजाय माफ करणियों मोटो मानीजै पण 'क्षमा वीरस्य भूषणम' रै सीगै क्षमा रो अधिकार उणी कनैं है, औगण पर गुण करै अर मान सकै पण मारै कोनी।''

(vii) कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।

(viii) 'अतीत के दबे पांव' निबंध की विषयवस्तु का परिचय करवाइए।

(ix) 'निराला भाई' संस्मरण में महादेवी वर्मा एवं निराला के मध्य किस तरह के संबंधों की अभिव्यक्ति हुई है ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

(x) नागार्जुन की 'प्रेत का बयान' कविता का सार-संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड-ब

2. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सच्चाई, खारापन और मन, वच, कर्म से भलाई की ओर झुकाव, दया, न्याय और उचित का दृढ़ पक्षपात, मैला काम, मैली वासना से निपट घिन, उदारभाव लेन-देन में सफाई, दियापतदारी इत्यादि कई एक और दूसरे-दूसरे मनुष्य में चरित्र संशोधन के मुख्य अंग हैं। कौल का सच्चा होना और काम में खरापन चरित्र संशोधन का बड़ा सहारा है। जैसे हमारे मन में हो, वैसा ही मुख पर भी हो, जो मुख पर है वह हम अपने काम में प्रकट कर दिखावें। मन, वचन और काम में मेल होना ही महत्त्व और चारित्र्य है।

3. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

उनकी दृष्टि में दर्प और विश्वास की धूप-छांही द्वाभा है। इस दर्प का संबंध किसी हल्की मनोवृत्ति से नहीं और न उसे अहं का सस्ता प्रदर्शन ही कहा जा सकता है। अविराम संघर्ष और निरन्तर विरोध का सामना करने से उनमें जो एक आत्मनिष्ठा उत्पन्न हो गई है, उसी का परिचय हम उनकी दृप्त दृष्टि

में पाते हैं। कभी-कभी यह गर्व व्यक्ति की सीमा पार कर इतना सामान्य हो जाता है कि हम उसे अपना, प्रत्येक साहित्यकार का, या साहित्य का मान सकते हैं, इसी से वह दुर्वह कभी नहीं होता। जिस बड़प्पन में हमारा भी कुछ भाग है, वह हममें छोटेपन की अनुभूति नहीं उत्पन्न करता और परिणामतः उससे हमारा कभी विरोध नहीं होता।

4. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

इस देश में जो जिसके लिए प्रतिबद्ध है, वही उसे नष्ट कर रहा है। लेखकीय स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध लोग ही लेखक की स्वतंत्रता छीन रहे हैं। सहकारिता के लिए प्रतिबद्ध इस आंदोलन के लोग ही सहकारिता को नष्ट कर रहे हैं। सहकारिता तो एक स्पिरिट है। सब मिलकर सहकारितापूर्वक खाने लगते हैं और आंदोलन को नष्ट कर देते हैं। समाजवाद को समाजवादी ही रोक रहे हैं।

5. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं आया उनके हेतु कि जो तापित हैं
जो विवश विकल बलहीन, दीन शापित हैं
हो जाएं अभय वे, जिन्हें कि भय भासित हैं
जो कौणप-कुल से मूक-सदृश शासित हैं।
मैं आया जिसमें बनी रहे मर्यादा
बच जाए प्रबल से, मिटे न जीवन सादा।
सुख देने आया दुःख झेलने आया
मैं मनुष्यत्व का नाट्य खेलने आया।

6. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हाय रे ऐसा न कहना/है कि जो वैसा न कहना
कह न देना जागता हूं/आदमी से भागता हूं
कह न देना मौन हूं मैं/खुद न समझूं कौन हूं मैं
देखना कुछ बक न देना/उन्हें कोई शक न देना
हे सजीले हरे सावन/हे कि मेरे पुण्य पावन
तुम बरस लो वे न बरसें/पांचवें को वे न तरसें।

7. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कुछ मस्तक कम पड़ते होंगे
महाकाल की माला में
मां मांग रही होगी आहुति
जब स्वतंत्रता की ज्वाला में
पल भर भी पड़ असमंजस में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं

8. निम्नांकित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं फिर जनम लूंगा/फिर मैं/इसी जगह जाऊँगा
उचटती निगाहों की भीड़ में/अभावों के बीच
लोगों की क्षत-विक्षत पीठ सहलाऊंगा
लंगड़ा कर चलते हुए पांवों को कंधा दूंगा
गिरी हुई पद-मर्दित पराजित विवशता को
बांहों में उठाऊंगा।

खण्ड–स

9. (क) हरिशंकर परसाई द्वारा लिखित 'ठिठुरता गणतंत्र' व्यंग्य आलेख का सार स्वयं के शब्दों में लिखिए।

(ख) 'मथेरण कला' क्या है ? बीकानेर एवं इस कला के जुड़ाव को रेखांकित करते हुए इसकी विधिवत जानकारी दीजिए।

10. (क) ''नागार्जुन मुक्त गतिशील एवं लोकजीवन के कवि हैं।'' इस कथन के पक्ष में अपने तर्क दीजिए।

(ख) कबीर के शब्दों में माया एवं जगत के संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए।

11. निम्नांकित पद्यांश का शीर्षक एवं सारांश लिखिए :

यह मेरा स्पष्ट मत है कि आज की अंग्रेजी शिक्षा ने शिक्षित भारतीयों को निर्बल और शक्तिहीन बना दिया है। राजा राममोहन राय ज्यादा बड़े सुधारक हुए होते और लोकमान्य तिलक ज्यादा बड़े विद्वान् बने होते, अगर उन्हें अंग्रेजी में सोचने और अपने विचारों को दूसरों तक मुख्यत: अंग्रेजी में पहुँचाने की कठिनाई से आरम्भ नहीं करना पड़ता। अगर वे थोड़ी कम अस्वाभाविक पद्धति से पढ़ लिखकर बड़े होते, तो अपने लोगों पर उनका असर, जो कि अद्‌भुत था और भी ज्यादा होता। इसमें कोई शक नहीं कि अंग्रेजी साहित्य के समृद्ध भंडार का ज्ञान प्राप्त करने से इन दोनों को लाभ हुआ लेकिन इस भंडार तक उनकी पहुँच उनकी मातृभाषा के जरिये होनी चाहिए थी। कोई भी देश नकलचियों की जाति पैदा करके राष्ट्र नहीं बन सकता।

12. निम्नांकित में से किस **एक** विषय पर **500** शब्दों में निबंध लिखिए :

(क) विद्यार्थी जीवन में नैतिक शिक्षा की उपादेयता

(ख) आज का युग और कम्प्यूटर

(ग) इन्टरनेट : वरदान या अभिशाप

(घ) नारी सशक्तिकरण : दशा एवं दिशा

(ङ) महाशक्ति बनने की दिशा में बढ़ता भारतवर्ष

(च) राष्ट्रभाषा हिन्दी की वर्तमान स्थिति एवं भावी संभावनाएँ।